हिन्दी

(www.tiwariacademy.com)

¼lap;u½ ¼ikB 1½¼egknsoh oekZ&fxYyw½

¼d{kk 9½

बोध प्रश्न

Ikश्न 1%

सोनजुही में लगी पीली कली को देखकर लेखिका के मन में कौन से विचार उमड़ने लगे ?

mRrj 1%

सोनजुही में लगी पीली कली को देखकर लेखिका को गिल्लू की याद आने लगी कि वह किस प्रकार हरी लता में छिपकर बैठता था और पास आते ही लेखिका के कंधें पर कूद कर बैठ जाता था।

Ikश्न 2%

पाठ के आधार पर कौए को एक साथ समादरित और अनादरित प्राणी क्यों कहा गया है ?

mRrj 2%

कौए का बोलना किसी के आने का समाचार होता है । पितरपक्ष में उसके माध्यम से अपने पुरखों को तृप्त किया जाता है उसके द्वारा भोजन ग्रहण करना पुरखों का तृप्त होना माना जाता है यह उसके प्रति आदर व्यक्त करता है । और वहीं उसकी कर्कश ध्वनि सुनकर उसे उड़ा देना उसके प्रति अनादर का भाव प्रकट करता है ।

Ikश्न 3%

गिलहरी के घायल बच्चे का उपचार किस प्रकार किया गया ?

mRrj 3%

कौए की चोंच से घायल हुए गिलहरी के बच्चे को उठाकर लेखिका अपने कमरे में ले आई रुई से उसके घाव को साफ किया गया और पेंसिलीन का लेप लगाया गया रुई की बत्ती बनाकर उसे दूध में भिगोया गया बच्चे के मुँह को खोलकर दूध पिलाने का प्रयास किया गया कई घंटे उपचार के बाद उसका मुँह खोला जा सका रुई के फाहे से पानी पिलाया गया इस प्रकार उसका उपचार किया गया।

Ikश्न 4%

लेखिका का ध्यान आकर्षित करने के लिए गिल्लू क्या करता था ?

mRrj 4%

लेखिका का ध्यान आकर्षित करने के लिए वह लेखिका के पैर तक आकर सर्र से परदे पर चढ़ जाता और उसी तेजी से उतरता और तब तक दौड़ता रहता जब तक लेखिका उसे पकड़ नहीं लेती थी और भूख लगने पर चिक–चिक करके लेखिका से बिस्किट और काजू लेकर ही शांत होता था ।

Ikश्न 5%

गिल्लू को मुक्त करने की आवश्यकता क्यों समझी गई और उसके लिए लेखिका ने क्या उपाय किया ?

mRrj 5%

जब गिल्लू के जीवन का प्रथम वसंत आया नीम और चमेली की गंध लेखिका के कमरे में आने लगी । बाहर की गिलहरियाँ खिड़की की जाली के पास आकर चिक–चिक करके न जाने क्या कहने लगतीं । ऐसे में गिल्लू को जाली के पास बैठकर अपनेपन से बाहर झाँकते देखकर लेखिका को लगा कि इसे अब मुक्त करना आवश्यक है । उसने जाली का एक कोना खोल दिया जिससे गिल्लू बाहर जाता था और दिनभर घूमकर बापस जाली से अंदर आ जाता था।।

Ikश्न 6%
गिल्लू किन–किन अर्थों में परिचारिका की भूमिका निभा रहा था ?
mRrj 6%
लेखिका के मोटर दुर्घटना में आहत होकर अस्पताल से घर आने पर गिल्लू लेखिका के तकिए के सिराहने बैठा रहता था और अपने नन्हे–नन्हे पंजों से उनके सिर के बालों को ऐसे सहलाता था जैसे कोई परिचारिका सेवा कर रही हो और उसका हटना किसी परिचारिका के हटने के समान लगता था।

Iाश्न 7%
गिल्लू की किन चेष्टाओं से यह आभास मिलने लगा था कि अब उसका अंत समय समीप है ?

mRrj 7%
गिल्लू दो वर्ष को हो चुका था और गिलहरियों की उम्र भी दो वर्ष ही होती है । अतः उसका अंत समय भी समीप आ गया था दिन भर उसने कुछ भी न खाया और न ही बाहर घूमने गया अंतिम समय में झूले से उतरकर लेखिका के पास आ गया और उसकी उँगली पकड़कर हाथ से चिपककर हमेशा के लिए सो गया ।

iश्न 8%
' प्रभात की प्रथम किरण के स्पर्श के साथ ही वह किसी और जीवन में जागने के लिए सो गया ' – का आशय स्पष्ट कीजिए ।

mRrj 8%
इसका आशय यह है कि गिल्लू की मृत्यु हो चुकी थी आत्मा शरीर छोड़कर जा चुकी थी और किसी अन्य जीव रूप में जन्म लेने के लिए तत्पर हो चुकी थी ।

प्रश्न 9:
सोनजुही की लता के नीचे बनी गिल्लू की समाधि से लेखिका के मन में किस विश्वास का जन्म होता है ?
mRrj 9%
सोनजुही की लता के नीचे गिल्लू की समाधि बनाइ गई क्योंकि गिल्लू को यह लता बहुत पसंद थी , और लेखिका को भी यह विश्वास था कि किसी दिन जूही के खिले पुष्प में गिल्लू की आभा प्रकट होगी ।